

ମୁଦ୍ରାବ୍ୟକ୍ଷତି କାହାର କୁଣ୍ଡଳ ପରିମାଣ ଯେବେ କାହାର
କୁଣ୍ଡଳ ମାତ୍ର ଏବଂ କୁଣ୍ଡଳର କୁଣ୍ଡଳ କାହାର କାହାର କାହାର

ଧାରାନ୍ତର ପରିମାଣ କୁଣ୍ଡଳ ବ୍ୟକ୍ତିଗତିମାତ୍ର

୧୫୩

ଧାରାନ୍ତର କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ

କୁଣ୍ଡଳ ମାତ୍ର କାହାର ଧାରାନ୍ତର କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ
କୁଣ୍ଡଳ ମାତ୍ର ଏବଂ କୁଣ୍ଡଳର କୁଣ୍ଡଳ କାହାର କାହାର କାହାର

ଅନୁଚ୍ଛେଦ - ୧

ଚାକ୍ରିର ଆଓତାଧୀନ ସ୍ୟକ୍ତିବର୍ଗ

ଚାକ୍ରି ସମ୍ପାଦନକାରୀ ଏକ ଅଧ୍ୟା ଉତ୍ସା ରାଜ୍ୟର ନିବାସୀ ସ୍ୟକ୍ତିଦେର ପରି ଏହି ଚାକ୍ରି ପ୍ରୟୋଗ୍ୟ ହେବେ ।

ଅନୁଚ୍ଛେଦ - ୨

ଚାକ୍ରିର ଆଓତାଧୀନ କର ସମ୍ମାନ

অনুচ্ছেদ- ২
চৃতির আওতাধীন কর সমূহ

- ১। চৃতি সম্পাদনকারী এক ব্যাটি অথবা উহুর রাষ্ট্রৈতিক উপ-বিভাগ অথবা উহুর হানীয় কর্তৃপক্ষ কর্তৃক অথবা কর্তৃপক্ষের পক্ষে আরোপিত আরকরের ক্ষেত্রে, উহু দেতাবেই ধার্মকৃত হটক না কেন এই চৃতি প্রযোজ্য হইবে।
- ২। অস্থাবর অথবা হাবর সম্পত্তি হত্তাপুরের সাধারে অর্জিত মূলকার উপর আরোপিত আর সমেত মোট আয় কিংবা আয়ের উপাদান সমূহের উপর আরোপিত কর এবং প্রতিটান কর্তৃক প্রদত্ত মোট বেতন ও মনুষীয় উপর আরোপিত কর আয়ের উপর কর বলিয়া গন্য হইবে।
- ৩। এই চৃতি বে সকল বিদ্যমান করের ক্ষেত্রে প্রযোজ্য সেই তিনি নিম্নরূপ, যথা:-
- ক) তুরকের ক্ষেত্রেঃ
- ১। আরকর;
 - ২। কর্ণোরেট আরকর ; এবং
 - ৩। আরকর ও কর্ণোরেট করের উপর ধার্মকৃত লেভী ;
(অতঃপর " তুরকের কর " বলিয়া উল্লেখিত)
- খ) বাংলাদেশের ক্ষেত্রেঃ
- আরকর
- (অতঃপর " বাংলাদেশ কর " বলিয়া উল্লেখিত)।
- ৪। চৃতি প্রাক্তনিত দণ্ডের পর বিদ্যমান কর সমূহের অতিরিক্ত কিংবা উহুদের পরিবর্তে আরোপিত কোন অভিন্ন বা মূলতঃ একই ধরনের কর সমূহের ক্ষেত্রেও এই চৃতি প্রযোজ্য হইবে। চৃতি সম্পাদনকারী বাটীয়ের উপযুক্ত কর্তৃপক্ষগন তাহাদের নিখ নিজ কর আইনে আনীত যে কোন তুরকুপূর্ণ পরিবর্তন সম্পর্কে পরম্পরাকে অবহিত করিবেন।

অনুচ্ছেদ- ৩

- ১। অসংগের প্রযোজনে ডিনুকুল না হইলে, এই চৃতির উদ্দেশ্যে
- ক) (I) "তুরক" বলিতে তুরকের এলাকা এবং অলীয়াকে বৃক্ষাইবে। ইহা ছাড়া আর্দ্ধজাতিক আইন অনুসারে ধার্মকৃত সম্পদ অনুসন্ধান, উৎকর্ষ সাধন ও সংরক্ষণের উদ্দেশ্যে তুরকের সমুদ্রতীরবর্তী এলাকাকে বৃক্ষাইবে যাহার উপর ইহুর অধিক্ষেত্র ও সার্বভৌম ক্ষমতা বিদ্যমান।
- (II) " বাংলাদেশ " বলিতে বাংলাদেশের এলাকা এবং অলীয়াকে বৃক্ষাইবে। ইহা ছাড়া আর্দ্ধজাতিক আইন অনুসারে ধার্মকৃত সম্পদ অনুসন্ধান, উৎকর্ষ সাধন ও সংরক্ষণের উদ্দেশ্যে বাংলাদেশের সমুদ্রতীরবর্তী এলাকাকে বৃক্ষাইবে যাহার উপর ইহুর অধিক্ষেত্র ও সার্বভৌম ক্ষমতা বিদ্যমান।
- খ) " চৃতি সম্পাদনকারী এক ব্যাটি " এবং " চৃতি সম্পাদনকারী অপর ব্যাটি " বলিতে অসংগের প্রযোজন অনুযায়ী বাংলাদেশ অথবা তুরককে বৃক্ষাইবে।
- গ) " কর " বলিতে অনুচ্ছেদ-২ এ বর্ণিত চৃতির অক্তৃত্ব কর সমূহকে বৃক্ষাইবে।
- ঘ) " ব্যক্তি " বলিতে একক ব্যক্তি, কোম্পানী বা অন্যকোন ব্যক্তিবর্গ অক্তৃত্ব হইবে।
- ঙ) " কোম্পানী " অর্থ কোন সংবিধিবদ সংস্থাকে অথবা করারোপনের উদ্দেশ্যে সংবিধিবদ সহৃদয়ে গন্য অন্য কোন সংস্থা।
- চ) তুরকের ক্ষেত্রে, " আইনানুগ ধৰ্মান অক্ষিস " বলিতে নিবক্ষস্তৃত অফিস যাহা তুরকের ব্যাসিত্বক বোত অনুযায়ী নিবন্ধিত।
- ছ) " নাগরিক " বলিতে চৃতি সম্পাদনকারী বাটীর আলীয়তা অথবা সাগরিকত্ব লাভের অধিকারী সকল ব্যক্তিকে বৃক্ষাইবে এবং চৃতি সম্পাদনকারী কোন বাটী বলবৎ আইনবলে আইনানুগ সর্বাদা সম্পন্ন কোন ব্যক্তি, অপিদাবিত্ব ও সংস্করে বৃক্ষাইবে।
- অ) " চৃতি সম্পাদনকারী এক বাটীর উদ্দেশ্য " এবং " চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাটীর উদ্দেশ্য " বলিতে ব্যাক্তিমে চৃতি সম্পাদনকারী এক বাটীর কোন নিবাসী কর্তৃক পরিচালিত উদ্দেশ্য এবং চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাটীর

- h) "�ागरिक" बलिते चृति सम्पादनकारी राट्रेर आठीयता अथवा नागरिकता लातेर अधिकारी नक्श व्यक्तिके बुखाइबे एवं चृति सम्पादनकारी कोन राट्रे बलए आइनदाम आइनाम नर्मादा सम्पन्न कोन व्याक, अपेनावित्त ओ संबंधे बुखाइबे।
- अ) "चृति सम्पादनकारी एक राट्रेर उद्योग" एवं "चृति सम्पादनकारी अपर राट्रेर उद्योग" बलिते व्याकमे चृति सम्पादनकारी एक राट्रेर कोन निवासी कर्तृक परिचालित उद्योग एवं चृति सम्पादनकारी अपर राट्रेर निवासी कर्तृक परिचालित उद्योगके बुखाइबे।
- ब) "उपमूक कर्तृपक्ष" बलिते :
- 1) भूरक्षेर क्षेत्रे भूरक्षेर अर्धमासी अथवा तत्कर्तृक फसता प्रदात प्रतिनिधित्वके बुखाइबे, एवं
 - 2) बालोदेशेर क्षेत्रे आठीय बाल्य बोर्ड अथवा तत्कर्तृक फसता प्रदात प्रतिनिधित्वके बुखाइबे।
- ग) "आर्जातिक परिवहन ब्यवहा" बलिते चृति सम्पादनकारी एक राट्रेर कोन उद्योग कर्तृक परिचालित दो परिवहन, विमान परिवहन अथवा इल परिवहनके बुखाइबे, तबे चृति सम्पादनकारी राट्रेर अतात्तरे विभिन्न घानेव मध्ये उक आहार, नडक यानवाहन अथवा विमान कर्तृक परिचालित परिवहन बुखाइबे ना।
- 2) चृति सम्पादनकारी कोन राट्रे कर्तृक एই चृति खरोगेर क्षेत्रे, एसागेर ध्येयान अन्यत्रप ना हईले, एই चृतिते ये शदेर कोन संज्ञा शदान करा हय नाइ सेइ शब उक राट्रेर कर आइन अनुवासी एই चृतिते क्षेत्रे ध्येयाय अर्थ बहन करिबे। राट्रेर विद्यावान कर आइन अनुगामे कोन शदेर अर्थ राट्रेर अन्य कोन आइने प्रदात अर्थेर उपर बहव खकिबे।
- अनुच्छेद - 8
निवासी
- 1) एই चृतिर उद्योगे "चृति सम्पादनकारी एक राट्रेर निवासी" बलिते ये राट्रे ताहर छायी निवास, अहायी आवास इल, आइनाम अधान अकिस, ब्यवहागनार घान धाकिसार कारणे अथवा अनुवाप प्रकृतिर अन्य कोन नीति अहायी कोन कारणे उक राट्रेर आइनाधीन करावोपन बोग्य कोन व्यक्तिके बुखाइबे एवं राट्रे राज्योतिक उप-विभाग अथवा छायीर कर्तृपक्षव इहार अतर्जुक हईबे। किस्त उक राट्रेर मध्ये केवल यात्र कोन उपर हईते उपत आयोर उपर करदाने वाय कोन व्यक्ति एই संक्तार अतर्जुक हईबे ना।
- 2) ये क्षेत्रे 1 प्रायाव विधानावशीर कारणे कोन व्यक्ति चृति सम्पादनकारी उत्तम राट्रेर निवासी हन, सेइ क्षेत्रे निमित्तिव विधि अनुपारे ताहर यर्मादा निधारित हईबे :
- क) चृति सम्पादनकारी ये राट्रे ताहर निजेर ब्यवहारेर अन्य छायी बाढी रहियाहे तिनि सेइ चृति सम्पादनकारी राट्रेर निवासी बिल्या गन्य हईबेन, यदि चृति सम्पादनकारी उत्तम राट्रेर ताहर निजेर ब्यवहारेर अन्य छायी बाढी धाके ताहर हईले चृति सम्पादनकारी ये राट्रेर सहित ताहर ब्यक्तिगत ओ अर्णोतिक सम्पर्क (अठीव उपतपूर्व शार्वेर केस) घनिष्ठतर तिनि सेइ चृति सम्पादनकारी राट्रेर निवासी बिल्या गन्य हईबेन ;
- ग) चृति सम्पादनकारी कोन राट्रे ताहर उपतपूर्व शार्वेर उपर रहियाहे ताहर निर्वय करिते ना पाया गोले अथवा चृति सम्पादनकारी कोन राट्रेर ताहर निजेर ब्यवहारेर अन्य कोन छायी बाढी ना धाकिले तिनि चृति सम्पादनकारी सेइ राट्रेर निवासी बिल्या गन्य हईबेन, ये चृति सम्पादनकारी राट्रे तिनि सचाचर वसवास करिया धाकेन।
- ग) यदि चृति सम्पादनकारी उत्तम राट्रेर ताहर नागरिक हन अर्थवा उहादेर बोन्टिरहे नागरिक ना हन, ताहर हईले चृति सम्पादनकारी राट्रेर नागरिक ले राट्रेर नागरिक सेइ राट्रेर निवासी बिल्या गन्य हईबेन;
- घ) यदि तिनि चृति सम्पादनकारी उत्तम राट्रेर नागरिक हन अर्थवा उहादेर बोन्टिरहे नागरिक ना हन, ताहर हईले चृति सम्पादनकारी राट्रेर नागरिक ले राट्रेर नागरिक सम्पत्तिकमे विद्याचित्र शीमांसा करिबेन।
- 3) ये क्षेत्रे 1 प्रायाव विधानावशीर कारणे, एक व्यक्ति व्याकीत कोन व्यक्ति चृति सम्पादनकारी उत्तम राट्रेर निवासी हन, सेइ क्षेत्रे उक व्यक्ति सेइ राट्रेर निवासी बिल्या गन्य हईबेन ये राट्रे ताहर कार्यकर ब्यवहागनार क्षेत्रे अवहित। अर्थाय यदि एই धरनेर व्यक्तिक कार्यकर ब्यवहागनार घान चृति सम्पादनकारी कोन एक देशे धाके एवं आइनाम कार्यालय अपर देशे धाके तबे चृति सम्पादनकारी देशदयरहे उपमूक कर्तृपक्ष गारम्परिक समोरोतार डितिते संप्रित व्यक्ति एই चृतिर उद्देश्ये कोन राट्रेर निवासी बिल्या गन्य हईबेन ताहर निर्धारण करिबेन।

आईनामुख कार्यालय अपर देशे थाके तबे चांग सम्पादनकारा दोषदाहेस ताज्जल उत्तराधिकारी विभिन्न विभिन्न ग्रन्त हैंवेन ताज्जन्मित्त विभिन्न ।

अनुच्छेद-५ हायी अतिठान

- १। एই चुक्ति उद्देश्य समृद्धि पूर्ण करने "हायी अतिठान" बिलिते कारबाहेर सेइक्कण निर्दिष्ट हानके बुखाइवे ये हाले उक उद्योगेर कारबाहेर सामग्रिकतावे वा आधिकतावे परिचालित ह्या ।
- २। "हायी अतिठान" बिलिते विशेषतावे निम्नशिततुलि इहाव अतर्जुत हैवे :
 - क) यावहापनार हान
 - ख) शाखा
 - ग) अधिक
 - घ) कारबाहा
 - उ) कर्म-शिविर
 - च) बाडि याशिकानाधीन ये पण्यागार सम्पूर्णतावे अन्यादेर मामला कराव युविधार्वे यावहारे करिते देऊळा ह्या सेइक्कण पन्यागार एवं
 - इ) खनि, तेल अर्धवा ग्यास कूप, डूगर्तह खनि अर्धवा प्राकृतिक सम्पद आहरणेर अन्य अन्य कोन हान ।
- ३। निर्मान केत, निर्मान प्रकर अर्धवा बजानि संयोजन अर्धवा हापन एकज्ञेर काज १२ मासेर अधिकाल विधानान घाकिले ताज्ज "हायी अतिठान" बिलिया गन्य हैवे ।
- ४। एই अनुच्छेदेर पूर्ववर्ती विधानावलीते याह बला हैवाहे ताज्ज सम्हेऽ हायी अतिठान बिलिते निम्नशिततुलि इहाव अतर्जुत बिलिया गन्य हैवे ना ।
 - क) उद्योगेर याशिकानाधीन द्वया वा पन्यासामायी केवलमाय उदायातकरण प्रदर्शन अर्धवा सरववाहेर उद्योगेर युविधार्वे संवाहावः ।
 - ख) केवल उदायातकरण, प्रदर्शन वा सरववाहेर उद्योगेर याशिकानाधीन द्वया वा पन्या सामायीर खोज्जुद रक्कनावेक्षन;
 - ग) उद्योगेर याशिकानाधीन खोज्जुद द्वया वा पन्यासामायीर अन्यकोन उद्योग कर्त्तक केवलमाय प्रतियाजात करणेर अन्य रक्कनावेक्षन;
 - घ) उद्योगेर अन्य केवलमाय द्वया वा पन्या सामायीर द्वया कराव उद्योगेर किंवा तथ्य संवाहेर निमित्तेऽ कारबाहेर निर्दिष्ट हान रक्कनावेक्षन;
 - उ) केवलमाय विधापन, तथ्य सरववाहाह बैज्ञानिक गवेषना अर्धवा एक्टिमूलक वा उद्याव संवाहक एक्टिर कार्यावली चलाइवार उद्योगेर अन्य कारबाहेर निर्दिष्ट हान रक्कनावेक्षन;
 - च) क हैवेट ६ उप-प्रावार उत्तेषित कार्यवलीर ये कोन झग समवय साधनेर अन्य कारबाहेर निर्दिष्ट हान रक्कनावेक्षन यदि एइक्कण समिति काजेर सामग्रिक तंत्रज्ञान एक्टिमूलक वा संवाहक एक्टिर ह्य ।
- ५। प्याराव १ ओ २ एव विधानावली सम्हेऽ सतत यर्वादा सम्पूर्ण कोन एक्टेट बाडि याहार केते प्यारा ६ एव विधानावली शोष्य व्याहे तिनि यदि उद्योगेर गके कार करेन एवं उद्योगेर नामे चुक्ति सम्पादनेर कर्त्तव्य यदि ताहाव थाके एवं तिनि एह चेत्ताचर शोष्य व्याहे करेन, ताज्ज हैवे ए बाडि कर्त्तक उद्योगेर अन्य गृहीत कार्यक्रमेर केते चुक्ति सम्पादनकारीसेपे ए उद्योगके हायी अतिठान विसावे गन्य करा हैवे यदि ना ए बाडि वार्कफॉर्म प्यारा - ४ ए वर्तित कार्यक्रमेर सीमित थाके याह हायी यावहा हापनेर याधामे शोष्य करा ह्य । किंतु ए प्याराव विधान अनुवायी एই हायी अतिठाने परिवत करेन ।
- ६। कोन उद्योग यदि कोन चुक्ति सम्पादनकारी राट्रे उद्याव कोन दागास, साधारण कमिशन एक्टेट अर्धवा सामायी यर्वादा सम्पूर्ण कोन एक्टेट याधामे कारबाहेर परिचालना करे एवं यदि उक बाडिग्नन ताहादेर साधारण कारबाहेर परिचालनाकाले ताहाव वार्कफॉर्म थाकेन, तबे केवलमाय लेइ कारबाहेर उक उद्योगेर कोन हायी अतिठान व्याहाहे बिलिया गन्य हैवे ना ।

৬। কোন উদ্যোগ যদি কোন চৃতি সম্পাদনকারী রান্তে উহর কোন দাগান, সাধারণ কমিশন এজেন্ট অথবা স্থানীয় সম্পর্ক কোন এজেন্টের মাধ্যমে কারবার পরিচালনা করে এবং যদি উক ব্যক্তিগন ভাজসের সাধারণ কারবার পরিচালনাকালে তাহার কার্যত থাকেন, তবে কেবলমাত্র সেই কারনে উক রান্তে উক উদ্যোগের কোন স্থানীয় প্রতিষ্ঠান রয়িয়াছে বলিয়া গন্য হইবে না।

৭। চৃতি সম্পাদনকারী এক রান্তের নিবাসী কোন কোম্পানী অপর চৃতি সম্পাদনকারী রান্তের কোন কোম্পানীকে নিরামন করিলে বা তথাকার স্থানীয় হইলেই অথবা উক অপর রান্তে (কোন স্থানীয় প্রতিষ্ঠানের মাধ্যমে বা ডিম্বজপে) উহর কারবার পরিচালনা করিলেই উক যে কোন কোম্পানী অপর কোম্পানীর স্থানীয় প্রতিষ্ঠান বলিয়া গন্য হইবে না।

অনুচ্ছেদ -৬ হ্যাবর সম্পত্তি হইতে আয়

১। চৃতি সম্পাদনকারী এক রান্তের কোন নিবাসী কর্তৃক চৃতি সম্পাদনকারী অপর রান্তে অবহিত তাহার হ্যাবর সম্পত্তি (কৃষি অর্ধবা বন-সম্পদ হইতে প্রাপ্ত আয়সহ) হইতে ধারণ আয় উক অপর রান্তেই করিযোগ্য হইবে।

২। চৃতি সম্পাদনকারী যে রান্তে আলোচ্য হ্যাবর সম্পত্তি অবহিত সেই রান্তের আইন অনুসারে "হ্যাবর সম্পত্তি" বে অর্থে ব্যবহৃত হইয়াছে সেই অর্থ বহন করিবে। হ্যাবর সম্পত্তি আনুবাধিক সম্পত্তি, গবাদি পশু, কৃষি ও বনশিল্পে ব্যবহৃত সরঞ্জামাদি এবং যে কোন ক্ষেত্রে ঝু-সম্পত্তি সংকোচ যে সকল অধিকারের ক্ষেত্রে সাধারণ আইনের বিধানবৰ্ণী ধৰ্যোজ্য এইজন অধিকার এবং কাজের বিনিয়োগে পরিবর্তনশীল বা নির্ধারিত পরিমাণ সম্ভৱীয় অধিকার বা কাজের অধিকার এবং খনিক সম্পদ, উহর উৎস ও অন্যান্য প্রাকৃতিক সম্পদের উপর অধিকারসমূহ "হ্যাবর সম্পত্তি" অন্তর্ভুক্ত হইবে। আহরণ, লৌকা ও উকোজাহু হ্যাবর সম্পত্তিকে গন্য হইবেন।

৩। এই অনুচ্ছেদের-১ প্রারম্ভ বিধানসমূহ হ্যাবর সম্পত্তির সরাসরি ব্যবহার, আড়া দেওয়া বা অন্য বে কোন উপরে উক ব্যবহার বাদ ধারণ আয়ের উপর প্রযোজ্য হইবে।

৪। এই অনুচ্ছেদের ১ ও ৩ প্রারম্ভ বিধানসমূহ কোন উদ্যোগের হ্যাবর সম্পত্তির আয় এবং প্রত্নতাবে ব্যক্তিগত কর্তৃ ব্যবহৃত হ্যাবর সম্পত্তির আয়ের ক্ষেত্রেও প্রযোজ্য হইবে।

অনুচ্ছেদ -৭ ব্যবসায়ের মূলাফা

১। চৃতি সম্পাদনকারী এক রান্তের কোন উদ্যোগের মূলাফা কেবল উক রান্তেই করিযোগ্য হইবে যদি উক উদ্যোগ চৃতি সম্পাদনকারী অপর রান্তে স্থানীয়ভাবে প্রতিষ্ঠিত কোন প্রতিষ্ঠানের মাধ্যমে ব্যবসা পরিচালনা করে না করে। যদি উক অপর রান্তে উহর ব্যবসা পরিচালনা করে, তাহা হইলে উক উদ্যোগের মূলাফা উপর রান্তে করারোপন করা যাইবে, তবে তাহা উক স্থানীয় প্রতিষ্ঠানের উপর করারোপযোগ্য মূলাফাসমূহের ক্ষেত্রে মাত্র কার্যকর হইবে।

২। এই অনুচ্ছেদের প্রারম্ভ ৩ এর বিধানবৰ্ণী শাপেকে, যে ক্ষেত্রে চৃতি সম্পাদনকারী এক রান্তের কোন উদ্যোগ চৃতি সম্পাদনকারী অপর রান্তে স্থানীয়ভাবে প্রতিষ্ঠিত কোন প্রতিষ্ঠানের মাধ্যমে সেখানে ব্যবসা পরিচালনা করা সেইক্ষেত্রে উক যদি কোন ব্যক্তি ও পৃথক উদ্যোগ হিসাবে সিরোডিত থাকিয়া একই বা অনুরূপ প্রত্নতাবে একই বা অনুরূপ কার্যবৰ্ণী পরিচালনা করিত এবং উক বে উদ্যোগের স্থানীয় প্রতিষ্ঠান উহর সহিত যদি সম্পূর্ণ স্থানীয়ভাবে ব্যবসা করিত তাহা হইলে যে পরিচালন মূলাফা প্রার্থিত হইত বলিয়া আশা করা যাইত অনুরূপ মূলাফা চৃতি সম্পাদনকারী উক রান্তে এই স্থানীয় প্রতিষ্ঠানের উপর আরোপিত হইবে।

৩। কোন স্থানীয় প্রতিষ্ঠানের মূলাফা নির্ধারণে উক স্থানীয় প্রতিষ্ঠানের নির্ধারণী ও সাধারণ প্রশাসনিক ব্যাসহ সকল ব্যার, উক ব্যার স্থানীয় প্রতিষ্ঠান যেই রান্তে অবহিত সেই রান্তে হটক বিবো অন্য কোথাও হটক, উক কর্তৃ বিসাবে বাদ যাইবে।

৪। কোন স্থানীয় প্রতিষ্ঠান কর্তৃক উহর উদ্যোগ এর অন্য দ্রুত অর্ধবা পন্থসামগ্ৰী ক্ষয় করা হয় কেবলমাত্র এই কারনেই উক স্থানীয় প্রতিষ্ঠানের উপর কোন মূলাফা আরোপিত হইবে না।

৫। পৰ্যবৰ্তী প্রারম্ভিক উদ্যোগে স্থানীয় প্রতিষ্ঠানের প্রতি আরোপনীয় মূলাফা, বিপরীতে সঠিক ও পর্যাপ্ত কারণ নং ১৮.০৩.২০১৫ ১১:৩২
থাকিলে, প্রতি বৎসর একই পদ্ধতিতে নির্ধারণ করা হইবে।

ઉક્ત હાયા એટિટાનેર ઉપર કોન મૂનાકા આરોગત હશે ના ।

૫। પૂર્વવર્તી ગ્યારાઓની ઉદ્દેશ્ય હાયી એટિટાનેર એટિ આરોગનીય મૂનાકા, વિગ્રહિતે સઠિક ઓ પર્વાણ કારણ ના ધક્કિલે, એટિ બંસર એકિએ ગદ્દતિતે નિર્ધારણ કરા હશે ।

૬। યે કેન્દ્રે મૂનાકાન મધ્યે એટિરું આપ અર્જું થાકે બાયુ સમ્પર્કે એટિ ચૂંઠિન અન્યાન અનુભૂતે પૃથ્વીક તારે બ્યબસ્થા ગૃહીત હશેયાછે સેહે કેન્દ્રે એટિ અનુભૂતેની વિધાનાવલી દ્વારા એ સંકળ અનુભૂતેની નંદિત હશે ।

અનુભૂતેન-૮

આધ્યાત્મ, વિમાન ઓ સડક પરિવહન

૧। આંતર્જ્ઞાતિક ગરિવહન કેન્દ્રે ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી એકટિ રાન્ડોફ કર્તૃક વિમાન અથવા સડક પરિવહન હશે । શાંત આપ કેવલમાન ઉક્ત રાન્ડોફ કરશેણ્ય હશે ।

૨। ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી એક રાન્ડોફ કોન ઉદ્યોગ (enterprise) કર્તૃક ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી અપર રાન્ડોફ આંતર્જ્ઞાતિક પરિવહન પણે જાથ્યા ચલાચલેની સાખ્યને અર્જિત આપ ઉક્ત અપર રાન્ડોફ કરશેણ્ય હશે । તરે ઉક્ત અપર રાન્ડોફ અનુભૂતું આપેનું ઉપર યે કર ધાર્ય કરા હશે ઉક્તાં શતકારી પણાશ તાંને સમર્પણિયાન કરાડ્યાશ કરા હશે ।

૩। એટિ અનુભૂતેને ઉદ્દેશ્યે ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી એક રાન્ડોફ ઉદ્યોગ કર્તૃક કનટેઇનાન બ્યબહાર વા ભાડા હશે । શાંત આપ યાં ટક આપ > ૧ ઓ ૨ ગ્યારાન વિધાનાવલીન સાથે દાસ્તિક હયા - આંતર્જ્ઞાતિક ગરિવહન કેન્દ્રે આધ્યાત્મ ચલાચલ વા વિમાન પરિવહન હશે । ઉક્ત આપેનું અર્જું હશે ।

૪। ૧ ઓ ૨ ગ્યારાન વિધાનાવલી કોન પૂલ, મૌખ બ્યબસા અથવા આંતર્જ્ઞાતિક તારે પરિચાલિત એજેન્સીને અંશેહનને કલે અર્જિત મૂનાકાન ઉપરઓ શ્રદ્ધાજ્ય હશે ।

અનુભૂતેન-૯

સહયોગી એટિટાન સમૂહ

૧। યે કેન્દ્રે :

ક) ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી એક રાન્ડોફ કોન ઉદ્યોગ ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી અપર રાન્ડોફ કોન ઉદ્યોગને બ્યબસ્થાપનાન નિયંત્રણે અથવા મૂલધને અંત્યાં અથવા પરોક્ષતાબે અંશેહન કરે; અથવા

શ) એકિએ ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી એક રાન્ડોફ કોન ઉદ્યોગને એવં ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી અપર રાન્ડોફ કોન ઉદ્યોગને બ્યબસ્થાપનાન નિયંત્રણે અથવા મૂલધને અંત્યાં બા પરોક્ષતાબે મુખ્યમં અંશેહન કરે,

એવં ઉત્તાન્ફેદે ઉક્ત ઉદ્યોગદારેન બાળિજીક અથવા આર્દ્ધિક સમ્પર્કે બાળારે આરોગિત શર્તાબદી બાંસ દૂસ્થિત બાધીન ઉદ્યોગને મધ્યે શ્રેષ્ઠી શર્તાબદી હશે તીવ્યતે તીવ્યતે તાથુ હશે એ શર્તાબદી ના ધક્કિલે યે મૂનાકા ઉક્ત ઉદ્યોગભાનિન યે કોનટિર ધાપા હૈત કિન્તુ ઉક્ત શર્તાબદીન કારણે શાંત હય નાઇ, તાથુ ઉક્ત ઉદ્યોગને મૂનાકાન અર્જું કરા યાઇબે એવં તદાનુયારી કરારોગિત હશે ।

૨। યે કેન્દ્રે ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી એકટિ રાન્ડોફ કોન ઉદ્યોગને એ રાન્ડોફ કરારોગિત મૂનાકા ચૂંઠિ સમ્પાદનકારી અપર રાન્ડોફ કોન ઉદ્યોગને મૂનાકાન અર્જું હશેયાછે એ તદાનુયારી ઉક્તાં કર ધાર્ય હશેયાછે એવં ઉદ્યોગદારેન મધ્યે હિન્દુકૃત શર્તાદિન અનુભૂત હશે એ અપર રાન્ડોફ એ ઉદ્યોગ બેન્ફ મૂનાકા અર્જિન કરિતે ગરિત એક્ઝાપે અર્જું મૂનાકાસમૂહ તદાનુકૃત હયા, પેઇન્ફ કેન્દ્રે એક્ષમોટીબિત રાન્ડોફ, સેહે રાન્ડોફ એ સર મૂનાકાન ઉપર આરોગિત કરેનું પરિશાને સહિત બધાયથી સમયન સાધન કરિબે । એક્ઝાપે સમયન નિર્ધારને બેલાન આરેન એક્સ્પ્રીટ સહિત સમ્પર્કિત એટિ ચૂંઠિન અન્યાન વિધાને એટિ યધારીએ લદ્ય રાખિતે હશે ।

অনুচ্ছেদ-১০

শত্যাংশ

- ১। চৃতি সম্পাদনকারী এক বাট্টের নিবাসী কোন কোম্পানী কর্তৃক চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাট্টের কোন নিবাসীকে প্রদত্ত শত্যাংশ উক্ত অপর বাট্টে কর যোগ্য হইতে পারে।
- ২। তবে, অনুকূল শত্যাংশ প্রদানকারী কোম্পানী চৃতি সম্পাদনকারী যে বাট্টের নিবাসী সেই বাট্টের আইন অনুযায়ী উক্ত শত্যাংশের উপরে অনুকূল কর আবোপ করা যাইতে পারে, কিন্তু যদি চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাট্টের নিবাসী হয় তাহা হইলে এইভাবে ধার্যকৃত কর মোট শত্যাংশের শতকারা ১০ ভাগের অধিক হইবে না। এই প্রায়া, কোম্পানীর যে মূলাকা ব্যবস উক্ত শত্যাংশ প্রদান করা হয়, সেই মূলাকা ব্যবস কোম্পানীর উপর করাবোপন প্রতিবিত করিবে না।
- ৩। এই অনুচ্ছেদে বর্ণিত "শত্যাংশ" অর্থ শত্যাংশ বিতরণকারী কোম্পানী যে বাট্টের নিবাসী সেই বাট্টের আইনানুযায়ী শেয়ার আবের ক্ষেত্রে একই করাবোপন পর্যালোচন প্রেরণ, জাইলেশ প্রেরণ বা জাইলেশ অধিকার খনিখ প্রেরণ বা প্রতিটো প্রেরণ হইতে উক্ত আর অধিবা করেন দাবী ব্যক্তি মূলাকাঙ্ক্ষিত কার্যে নিয়োজিত অন্য সব অধিকার ও অন্যান্য কর্ণেরেট অধিকার হইতে উক্ত আরকে বৃক্ষাইবে।
- ৪। যদি শত্যাংশের প্রাপক চৃতি সম্পাদনকারী এক বাট্টের নিবাসী হইয়া চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাট্টে যে বাট্টে হাবী প্রতিটানের মাধ্যমে ব্যবসা পরিচালনা করেন অথবা অপর বাট্টে অবহিত কোন শত্যাংশ প্রদানকারী কোম্পানীর ব্যবসা পরিচালিত হইতেছে সেখানে অবহিত কেন নিমিট অবহান হইতে স্বাধীনতাবে পেশাগত সার্টিস প্রদান করেন এবং যে যোক্তি হইতে শত্যাংশ দেওয়া হইতেছে তাহা যদি উক্ত হাবী প্রতিটান অধিবা নিমিট অবহানের সহিত কার্যকর তাবে সম্মত ধাকে তবে এই ক্ষেত্রে ১ ও ২ প্রায়ার বিধানাবলী অযোজ্য হইবে না। এইকূল ক্ষেত্রে চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাট্টের নিমিট আইনানুযায়ী শত্যাংশের উপর করাবোপিত হইবে।
- ৫। চৃতি সম্পাদনকারী এক দেশের কোম্পানী চৃতি সম্পাদনকারী অপর দেশে হাবী প্রতিটানের মাধ্যমে পরিচালিত ব্যবসা হইতে অর্জিত মূলাকা ১ অনুচ্ছেদের আওতায় করাবোপনের পর অবশিষ্ট অংশের উপর এই অনুচ্ছেদের ২ প্রায়া অনুসারে চৃতি সম্পাদনকারী যে দেশে হাবী প্রতিটান অবহিত সেই দেশে করাবোপিত হইবে।

অনুচ্ছেদ-১১

সুদ

- ১। চৃতি সম্পাদনকারী এক বাট্টে উক্ত এবং চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাট্টের কোন নিবাসীকে প্রদত্ত সুদের উপর উক্ত অপর বাট্টে কর ধার্য করা যাইতে পারে।
- ২। তবে, যে বাট্টে এইকূল সুদ উক্ত হয় সেই বাট্টে এবং উক্ত বাট্টের আইন অনুযায়ী উক্ত সুদের উপর কর ধার্য করা যাইতে পারে, কিন্তু সুদের সুবিধাতোলী মালিক যদি চৃতি সম্পাদনকারী অপর বাট্টের নিবাসী হন তবে এইকূল ধার্যকৃত কর মোট সুদের শতকারা ১০ ভাগের বেশী হইবে না।
- ৩। ২ প্রায়ার বর্ণিত বিধানাবলী সন্তোষ :
- ক) তুরকে উক্ত কোন সুদ যাহা বাংলাদেশ সরকারকে অধিবা বাংলাদেশ ব্যাকে কে পরিশোধ করিতে হইবে তাহা তুরক কর হইতে অব্যাহতি পাইবে;
- খ) বাংলাদেশে উক্ত কোন সুদ যাহা তুরক সরকারকে বা তুরকের কেন্দ্রীয় ব্যাকে পরিশোধ করিতে হইবে তাহা বাংলাদেশ কর হইতে অব্যাহতি পাইবে।
- ৪। এই অনুচ্ছেদ বর্ণিত "সুদ" এর অর্থ বলিতে বকাকের মাধ্যমে নিরাপত্তা নিচিত হউক বা না হউক এবং অন্য প্রতীতির মূলাকার অংশগ্রহনের অধিকার ধারুক বা না ধারুক সব ধরণের স্বনামী হইতে অর্জিত আর এবং বিশেষতাবে সরকারী আবানত, বল অধিবা ডিবেক্ষণের সহিত সম্প্রিট প্রিমিয়াম ও "গ্রাইস" সমেত এইকূল কামানত বল অধিবা ডিবেক্ষণ হইতে সফ আয়কে বৃক্ষাইবে।
- ৫। সুদের সুবিধাতোলী মালিক এক বাট্টের নিবাসী হইয়া যদি অপর বাট্টে যেখানে সুদ উক্ত হইয়াছে সেখানে অবহিত

୫। ଏହି ପରିବାରମ୍ବନ ଥାବଦ ଯାଇ କରିବାର କାହାର ଅଧିକାର ଥାକୁକ ବା ନା ଥାକୁକ କର ଧରଣେର କଳନ୍ଦାରୀ ହେତେ ଅର୍ଜିତ ଆମ ଏବଂ ବିଶେଷତାବେ ସରକାରୀ ଆମାନତ, ବଢ଼ ଅଧିକାରୀଙ୍କର କାହାର ସହିତ ସମ୍ପର୍କ ପରିମିଳାମ ଓ "ପ୍ରାଇସ" କରେତେ ଏଇକ୍ରଗ ଆମାନତ ବଢ଼ ଅଧିକାରୀଙ୍କର କାହାର ହେତେ କାହା ଆସିବେ ।

ସୁଦେର ଶ୍ରୀବିଧାତୋଳୀ ମାଲିକ ଏକ ବାଟୀର ନିବାସୀ ହିସାରୀ ଯଦି ଅପର ବାଟୀ ମେଖାଲେ ସୂର ଉତ୍ତର ହେଇଥାରେ ଲେଖାଲେ ଅବହିତ କୋଣ ହାରୀ ଥିଲିଠାରେ ଆଧୁନିକ କାରବାର ପରିଚାଳନା କରେନ ଅଥବା ଉଚ୍ଚ ଅପର ବାଟୀ ମେଖାଲେ ଅବହିତ କୋଣ ନିଶିଷ୍ଟ କେନ୍ଦ୍ର ହେଇତେ ବ୍ୟକ୍ତତଃ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ସାର୍କିସ ପରିଚାଳନା କରେନ ଅବେ ବେ କଥ ମାରୀର ଜୟ ଯୁଦ୍ଧ ପ୍ରଦତ୍ତ ହୁଏ ସେଇ କଥ ମାରୀ ଉଚ୍ଚ ହାରୀ ଥିଲିଠାର ବା ନିଶିଷ୍ଟ କେନ୍ଦ୍ରେ ଯାଏ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଭାବେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହୁଏ ତଥେ ୧, ୨, ଓ ୩ ପ୍ରାଯାଇ ବିଧାନାବୀଳୀ ପ୍ରୋତ୍ସାହ ହେବେ ନା । ଏହଙ୍କଣ କେବେ ଛଞ୍ଚିତ ସମ୍ପାଦନକାରୀ ଅପର ବାଟୀର ନିର୍ବଳ ଆଇନ ଅନୁଯାୟୀ ସୁଦେର ଉପର କର ଧାର୍ଯ୍ୟ ହେବେ ।

୬। ସବୁ କୋଣ ବାଟେ ପର୍ଯ୍ୟ ଉତ୍ୟର କୋଣ ବାଉନେଡ଼ିକ ଟୁପ୍-ବିଭାଗ, ଶାରୀୟ କର୍ତ୍ତୃଙ୍କ ଅଧିବା ଉଚ୍ଚ ବାଟେର କୋଣ ନିରାଶୀ ସୁମ୍ଭୁଦାତା ହନ ତଥନ ଉଚ୍ଚ ବାଟେଇ ସୁମ୍ଭୁତ ହଇଯାଇଁ ବିଶିଷ୍ଟା ଗଣ୍ୟ ହେବେ । ତବେ, ଯେ ବାଟେ ସୁମ୍ଭୁ ପ୍ରସାନ କରେଲ ସେଇ ବାଟେ କୋଣ ବାଟେର ନିରାଶୀ ହଟନ ବା ନା ହଟନ, ସେଇ ବାଟେ ଯଦି ତାହୀର କୋଣ ଶାରୀୟ ଧର୍ମିଠାନ ଅଧିବା ନିରିଦିଷ୍ଟ କୋଣ କେବୁ ଥାକେ ଏବଂ ଯେ ବାବମ ସୁମ୍ଭୁ ପ୍ରସାନ କରା ହେବ ତାହୁ ଉଚ୍ଚ ଧର୍ମିଠାନ ଅଧିବା ନିରିଦିଷ୍ଟ କେବୁ ଥାବମ ହଇଯା ଥାକେ ଏବଂ ଉଚ୍ଚ ସୁମ୍ଭୁ ସ୍ଵପ୍ନ ପେ ଶାରୀୟ ଧର୍ମିଠାନ ବା ନିରିଦିଷ୍ଟ କେବୁ କର୍ତ୍ତୃ ବହନ କରା ହୁଏ ତାହୁ ଘଟିଲେ ଯିନିକମ୍ ସୁମ୍ଭୁ ସେଇ ବାଟେ ଉତ୍ୟତ ହଇଯାଇଁ ବିଶିଷ୍ଟା ଗଣ୍ୟ ହେବେ ଯେ ବାଟେ ଉଚ୍ଚ ଧର୍ମିଠାନ ବା ନିରିଦିଷ୍ଟ କେବୁ ଅବହିତ ।

୧। ଶୁଦ୍ଧ ଦାତା ଓ ଶୁଦ୍ଧେର ଶୁଦ୍ଧିଭାଗୀଙ୍କ ଯାତିକରେ ମଧ୍ୟେ ଅଧିକ ତାତ୍ପର୍ଯ୍ୟ ଉତ୍ତରର ଘର ଅଗର କୋଣ ବ୍ୟକ୍ତିର ମଧ୍ୟେ ବିଲେଖ ସମ୍ପର୍କ ହେତୁ ସେ ଖଣ୍ଡ ଦାତା ବାବମ ଶୁଦ୍ଧ ପରିଷଦ ହାତ୍ର ଉତ୍ୟର ଅତି ଲକ୍ଷ୍ୟ ରାଖିଯା ଏଇରେ ସମ୍ପର୍କର ଅର୍ଥମାନେ ଦାତା ଓ ଶୁଦ୍ଧିଭାଗୀଙ୍କ ଯାତିକରେ ସମ୍ପର୍କରେ ସେ ଶୁଦ୍ଧ ହିତକୃତ ହିଂତେ ପାରିତ ତାତ୍ୟ ଅଳେକା ଉଚ୍ଚ ଶୁଦ୍ଧ ଅଧିକ ହେଲେ, ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନେର ବିଧାନ ନାମ୍ବୁ କେବଳ ଶୈଶ୍ଵରକ ଲାଭିମାନେର କ୍ଷେତ୍ରେ ଅବ୍ୟାକ୍ରମ ହେବେ । ଏଇରେ କେତେ, ଅନୁଷ୍ଠାନର ଅଭିରିତ ଅଂୟ ଏହି ଛତିର ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବିଧାନେର ଅତି ଯୁଧ୍ୟାଧ କୁର୍ରାଜ୍ ଏଦାନ ପୂର୍ବକ ପ୍ରତ୍ୟେକ ରାଜ୍ୟର ନିମ୍ନ ଆଇନ ଅନୁଯାୟୀ କରିଥାଯାଏ ହେବେ ।

अनुच्छेद-१२

संग्रहालय

୧। ଚାକି ସମ୍ପାଦନକାରୀ ଏକ ବ୍ରାହ୍ମି ଅର୍ଜିତ ବ୍ୟାଳଟି ଚାକି ସମ୍ପାଦନକାରୀ ଅପର ବ୍ରାହ୍ମେର କୋଣ ନିଯାଶୀକେ ଏମାନ କରା ହୈଲେ
ତାହା ଉଷ୍ଣ ଅପର ବ୍ରାହ୍ମ କରାଯୋଗ୍ୟ ହୁଏବେ ।

২। তবে চুক্তি সম্পাদনকাৰী যে বট্টা প্ৰৱৰ্তন অৰ্জিত ব্যায়ালচিত্ৰ উৎস সেই বাটোৱ আইন অনুযায়ী উহা সেই বাটোও কৰ
বোগ হইতে পাৰে। কিন্তু যদি উক্ত ব্যায়ালচিত্ৰ সুবিধাতোৱী মালিক চুক্তি সম্পাদনকাৰী অপৰ বাটোৱ নিবায়ী হন তাহা হইলে
এইভৰণ শাৰ্থকৃত কৰ ব্যায়ালচিত্ৰ মোট পৰিমাণেৰ শতকৰা ১০ ভাৰণৰ অধিক হইবে না।

୩। ଏই ଅନୁଜ୍ଞାଦେ ବର୍ଣ୍ଣିତ "ରାଜ୍ୟାଳ୍ପି" ଅର୍ଥ କୋଣ ଶାହିତ୍ୟ, ଶିଳ୍ପକର୍ମ ଅଧିକାରୀ ବିଜ୍ଞାନ ଏହାର ଶ୍ରେଷ୍ଠ(କଣି ରାଈଟ୍) ଏବଂ
ଅନୁଗ୍ରାହୀତ ପାଦଶମ୍ରୀ ଯୁଦ୍ଧର ଫିଲ୍ମ ବାବହାର ବା ବ୍ୟବସାରେ ଅଧିକାରୀର ପିଲିମହେ, ଅଧିକାରୀ କୋଣ ପେଟୋଟ୍, ଟ୍ରେନ୍ ମାର୍କ୍, ନଙ୍ଗା ଯା

ଫେଳ, ଗୋଗନ ଫୁଲୁା ବା ଥକିଯା ଅର୍ଧରା ଶିଖ ବାଣିଜ୍ୟ ସମ୍ପର୍କିତ ବା ବୈଜ୍ୟନିକ ଯୁଗପାତି ସରକାର ଅର୍ଧରା ଶିଖ ବାଣିଜ୍ୟ ବା ଯିଆନ ବିହାର ଅଭିଭବତ୍ତା ସକ୍ରମ ତଥାଦିର ବାବଦାରେ ବା ବାବଦାରେ ଅଧିକାରେ ବିନିମୟେ ପ୍ରାପ୍ତ ଯେ କୌନ ପ୍ରକାର ଅର୍ପନି ।

୪। ଏହି ଅନୁଚ୍ଛେଦର ୧ ଓ ୨ ପ୍ରାଚୀର ବିଧାନାବୟୀ ପ୍ରସ୍ତୋତ୍ର ହେବେ ନା ଯଦି ବ୍ୟାଲ୍‌ଟିକ ସୁଵିଧାଭୋଗୀ ମାଲିକ ଛୁଟି ସମ୍ପାଦନକାରୀ ଏକ ବାଟେ ନିବାସୀ ହେଇଥା ଯେ ବାଟେ ବ୍ୟାଲ୍‌ଟିକ ଉତ୍ତ୍ର ହେଇଥାହେ, ଛୁଟି ସମ୍ପାଦନକାରୀ ଶେଇ ଅପର ବାଟେର ଅବହିତ କୋଣ ଥାଯୀ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାରେ କାରବାର ଗରିଚାନା କରେନ ଅର୍ଥବା ଶେଇ ଅପର ବାଟେ ଅବହିତ କୋଣ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ କେନ୍ଦ୍ର ହିଁଠେ ଉତ୍ତ ଅପର ବାଟେ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ସାର୍କିଳ ସାଦାନ କରେନ ଏବଂ ଯେ ଅଧିକାର ଅର୍ଥବା ସମ୍ପତ୍ତି ବାଦ ଉତ୍ତ ବ୍ୟାଲ୍‌ଟି ଖେଳ କରା ହୁଏ ତାହୁ ଯଦି ଏଇକୁ ଥାଯୀ ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ବା ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ କେନ୍ଦ୍ରର ସହିତ ସଫ୍ଟକ୍ଲାବେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହୁଏ । ଏହି ଝଙ୍ଗ କେବେ, ଛୁଟି ସମ୍ପାଦନକାରୀ ଅପର ବାଟେର ନିର୍ଜ୍ଞ ଆଟନ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବ୍ୟାଲ୍‌ଟି କ୍ରାନ୍‌ପ୍ରଯୋଗୀ ହେବେ ।

५। छुकि सम्पादनकारी कोन वाट्टे ब्रह्माण्डि उद्धव उत्तुत हईयाहे बलिया गन्य हयेवे यखन ब्रह्माण्डिचे दाभा पर्यं शेई वाट्टे कोन खालोनेतिक वा अशासनिक उग्न-विभाग, कोन शासीक कर्तृपक अथवा उक्त वाट्टेवे कोन अधिवासी हईवेन। तबवे ब्रह्माण्डि अहमकारी कोन वाट्टि छुकि सम्पादनकारी कोन वाट्टेवे निवासी हडून वा ना हडून, छुकि सम्पादनकारी कोन वाट्टे यदि ताहाव कोन शासी अतिठान वा निदिट्ट केसू थाके एवज याहाव व्यापारे ब्रह्माण्डि धीमानेव वाध्यवाधकता उत्तुत हईयाहे एवज ब्रह्माण्डि ऐ अतिठान वा केसूके वहन करिते यस, ताण हईले उक्त ब्रह्माण्डि छुकि सम्पादनकारी शेई वाट्टे उत्तुत कौटुम्ब बलिया, मता हडूने वे वाट्टे उक्त शासी अतिठान वा निदिट्ट केसू अवशिष्ट।

एवं रायाल्टि प्रतिष्ठान वा केन्द्रके बहन करिते हया, ताहु इले उक रायाल्टि चूक्स सम्पादनकारी लेह राज्ञे उक्त इलाहे बिश्या गन्य हइवे ये राट्टे उक छारी प्रतिष्ठान वा निदिट्क केन्द्र अवहित।

६। ये केन्द्रे रायाल्टि प्रदानकारी एवं रायाल्टि निवासिके अध्ये अध्या ताहुदेर उक्तरे ओ अपर कोन बाटिक भाखे विशेष सम्पर्क हेतु रायाल्टि व्यवहार अधिकार अध्या ये तर्थ बाबद रायाल्टि उपसत्त यह ताहुर अडि लक्ष्य राखिया प्रदत्त रायाल्टि परिमान ऐइक्प सम्पर्केर अवर्तमाने उक रायाल्टि प्रदानकारी एवं उहार सुविधाभोगी यालिकेर सम्पत्तिक्षेपे इलाहे गविमान अणेका अधिक हय लेहिक्षेपे अनुच्छेदेर विधानावी केवलमाय शेषोक्त गविमानेर केयेइ श्रवोज्य हइवे। ऐइक्प केये प्रदत्त रायाल्टि अधिविक्ष अणे एই चुक्सिर अन्यान्य विधानेर अडि यद्यावध उक्त अदान पूर्वक चुक्सि सम्पादनकारी प्रत्येक राट्टेर निज निव आइन अनुवायी करयोग्य हइवे।

अनुच्छेद-१३ मूलधनी मूलाका

१। ६ अनुच्छेदे वर्णित एवं चुक्सि सम्पादनकारी अन्य राट्टे अवहित छावर सम्पत्ति उत्तात्तरेर कले कोन निवासी कर्तृक कोन मूलाका अर्जित हइले ताहु उक अन्य राट्टे करयोग्य हइते गारे।

२। चुक्सि सम्पादनकारी एक राट्टेर कोन उद्योगेर यालिकानावीन चुक्सि सम्पादनकारी अपर राट्टे अवहित कोन छारी अडित्तानेर कारवाई सम्पत्तिर अणे विशेष अध्या व्यावहार सम्पत्ति अध्या यक्तिगत पेशागत कार्यादि सम्पादनेर उद्देश्ये चुक्सि सम्पादनकारी एक राट्टेर कोन निवासीर व्यवहारेर अन्य चुक्सि सम्पादनकारी अपर राट्टे अवहित कोन निदिट्क केन्द्र सम्पत्ति कोन अहावर सम्पत्ति उत्तात्तरेर बाबद आण मूलधनी मूलाका, उक छारी प्रतिष्ठान (एककतावे अध्या सम्पर्क उद्योग समेत) अध्या ऐइक्प निदिट्क केन्द्र उत्तात्तरेर बाबद आण अनुद्धन मूलाका उक अपर राट्टे करयोग्य हइते गारे।

३। आतर्वादिक परिवहन गधे परिचालित आहाज्ज, विमान अध्या सडक परिवहन ऐइक्प आहाज्ज, विमान अध्या सडक परिवहन परिचालित ताहुर सहित सम्पत्ति अहावर सम्पत्ति उत्तात्तरेर कले आण मूलधनी मूलाका ये चुक्सि सम्पादनकारी राट्टेर उक एट्टेनप्राइज निवासी केवल लेह राट्टेर करयोग्य हइवे।

४। १, २ ओ ३ गारा सम्हे उत्तेवित सम्पत्ति व्यातीत अन्य कोन सम्पत्ति उत्तात्तरेर कले आण मूलधनी मूलाका, उत्तात्तरकारी ये चुक्सि सम्पादनकारी राट्टेर निवासी केवल लेह राट्टेर करयोग्य हइवे।

अनुच्छेद-१४ स्वाधीन यक्तिगत कार्यादि

१। पेशागत कार्यादि अध्या उत्तर धरनेर अन्यान्य कार्यावी बाबद चुक्सि सम्पादनकारी एक राट्टेर अधिवासी कर्तृक अर्जित आय केवलमाय उक राट्टेर करयोग्य हइवे। तबे निव वर्णित ये कोन एकत्र अवहार श्रेकितेइ कोन बाटिर अनुद्धन आय चुक्सि सम्पादनकारी अपर राट्टे करयोग्य हइते गारे :

क) यादि चुक्सि सम्पादनकारी अपर राट्टे ताहुर कार्यावी सम्पादनेर उद्देश्ये ताहुर नियमित व्यावहार्द कोन निदिट्क केन्द्र थाके तबे शर्त ऐइ ये आयेर यक्तूक्त अणे ए निदिट्क केन्द्रेर सहित सम्पर्कमूक्त केवलमाय उक्तूक्त चुक्सि सम्पादनकारी उक अपर राट्टे करयोग्य हइवे, अध्या

ख) यादि चुक्सि सम्पादनकारी अपर राट्टे ताहुर कार्यादि सम्पादनार्थे सम्पत्ति अर्व बसरेर ताहुर अवहान साक्ष्ये १८० वा उत्तेवित दिन हय ले केये ताहुर उक कार्यादि बाबद ये परिवान आय उक अपर राट्टे अर्जित हइयाहे लेह राट्टेर करयोग्य हइवे।

२। "पेशागत कार्यादि" वसिते विशेषजावे विज्ञान, साहित्य, शिल्प, शिक्षा अध्या शिक्षादान विषयक उत्तर कार्यादि बुझाइवे एवं चिकित्सक, शैल चिकित्सक, आइनजीवी, शकोषीवी, इण्डि, दात्र चिकित्सक ओ इसाव रक्कतेर कार्यावीओ इहार अत्तर्तुक्त हइवे।

अनुच्छेद-१५

निर्भर्तील यक्तिगत कार्यादि

१। १६, १८, १९, २० ओ २१ अनुच्छेदेर विधानावी सापेक्षे, चुक्सि सम्पादनकारी एक राट्टेर निवासी कर्तृक

অনুচ্ছেদ-১৫
নির্ভীল ব্যক্তিগত কার্যাদি

- ১। ১৬, ১৮, ১৯, ২০ ও ২১ অনুচ্ছেদের বিধানবলী সাপেক্ষে, চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের নিবাসী কর্তৃক সম্পাদিত কর্তৃ বাবদ শাখ বেতন, স্বরূপী ও অনুদ্রপ অস্থান পরিশ্রমিক উচ্চ রাষ্ট্রেই করযোগ্য হইবে, যদি উচ্চ কর্তৃ, চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রে সম্পাদিত না হয়। যদি উচ্চ কর্তৃ অনুদ্রপভাবে সম্পাদিত হয়, তাহ্য হইলে উচ্চ হইতে অর্জিত পরিশ্রমিক উচ্চ অপর রাষ্ট্রেই করযোগ্য হইবে।
- ২। প্রায়া ১ এর বিধানবলীতে যাহ্য কিছুই ধরুক না কেন চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের নিবাসী কর্তৃক চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রে সম্পাদিত কোন কর্তৃবাবদ শাখ পরিশ্রমিক কেবলমাত্র প্রথমোক্ত রাষ্ট্রেই করযোগ্য হইবে, যদি :
- ক) প্রাপক উচ্চ অপর রাষ্ট্রে সংশ্লিষ্ট কর বস্তের অনধিক সর্বমোট ১৮৩ দিনের মেয়াদ বা মেয়াদসমূহের অন্য অবস্থান করিয়া থাকেন, এবং
 - খ) উচ্চ অপর রাষ্ট্রের নিবাসী নহেন এইরূপ কোন নিয়োগকর্তা কর্তৃক অধিবা তাহ্যর পক্ষে উচ্চ পরিশ্রমিক অস্থান করা হয়, এবং
 - গ) নিয়োগকর্তা যাণিকানাধীন অপর রাষ্ট্রে অবস্থিত কোন স্থায়ী প্রতিঠান বা নিমিট কেন্দ্র কর্তৃক পরিশ্রমিক বহন না হইয়া থাকে।
- ৩। এই অনুচ্ছেদের পূর্ববর্তী বিধানবলীতে যাহ্য কিছুই ধরুক না কেন, আওত্তরাতিক পরিবহনে কোন উদ্যোগ কর্তৃক পরিচালিত কোন জাহাজ, বিমান বা সড়ক পরিবহনের উপর সম্পাদিত কার্যাদি হইতে অর্জিত পরিশ্রমিক চৃতি সম্পাদনকারী সেই রাষ্ট্রেই করযোগ্য হইবে।

অনুচ্ছেদ-১৬
পরিচালকের ফিল

চৃতি সম্পাদনকারী এ রাষ্ট্রের কোন নিবাসী তাহ্যর ঘোষ্যভাব বলে চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রের কোন নিবাসী কোম্পানীর পরিচালকমণ্ডলীর সদস্যরূপে অর্জিত পরিচালকের ফিল বা অনুদ্রপ অর্থ চৃতি সম্পাদনকারী উচ্চ অপর রাষ্ট্রেই করযোগ্য হইতে পারে।

অনুচ্ছেদ-১৭
শিল্পী ও ঝীড়াবিদ

- ১। ১৪ ও ১৫ অনুচ্ছেদের বিধানবলীতে যাহ্য কিছুই ধরুক না কেন, চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের নিবাসী কর্তৃক নাট্য বা চলচ্চিত্র, বেতার বা টেলিভিশন প্রিয়ে কিংবা স্বীকৃতভাবে ন্যায় চিত্রবিনোদনকারী অধিবা ঝীড়াবিদ হিসাবে চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রে সম্পাদিত তাহ্যর ব্যক্তিগত কার্যাবলী ও ঝীড়াকলাপ প্রদর্শনের যাধ্যতে অর্জিত আর উচ্চ অপর রাষ্ট্রেই করযোগ্য হইবে।
- ২। যে ক্ষেত্রে কোন চিত্রবিনোদনকারী অধিবা ঝীড়াবিদ কর্তৃক ব্যক্তিগত ঝীড়ানেপুঁজ প্রদর্শনের ফিলিয়ে কক্ষ আয় তাহ্যর নিখের কাছে জয়া না হইয়া অন্য কোন বাস্তির নিকট জয়া হয় সে ক্ষেত্রে উচ্চ আর ১, ১৪ এবং ১৫ অনুচ্ছেদের বিধানবলীতে যাহ্য কিছুই ধরুক না কেন, চৃতি সম্পাদনকারী যে রাষ্ট্রে চিত্রবিনোদনকারী কিংবা ঝীড়াবিদের অনুদ্রপ ঝীড়া নৈপুণ্য প্রদর্শিত হয় সেই রাষ্ট্রে করযোগ্য হইবে।
- ৩। ১ ও ২ প্রারম্ভে যাহ্য কিছুই ধরুক না কেন, চৃতি সম্পাদনকারী দেশের কোন চিত্রবিনোদনকারী অধিবা ঝীড়াবিদ অপর দেশে সফর করিলে এবং ইহার সময় অধিবা অধিকালে খরচ যদি অপর চৃতি সম্পাদনকারী দেশের পারিশক ক্ষাত হইতে থেদান করা হয় তাহ্য হইলে উচ্চ অর্থ চৃতি সম্পাদনকারী অপর দেশে করযুক্ত থিবে।

অনুচ্ছেদ-১৮
অবসর ভাত্তা

- ১। ১৯ অনুচ্ছেদের ১ প্রায়ার বিধানবলী সাপেক্ষে চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের নিবাসীকে তাহ্যর চাকুরীর বিনিয়োগে প্রাপ্ত প্রতিবেদন ক্ষমতা ও অন্তর্মাত্র প্রতিশ্রমিক ক্ষেত্রে উচ্চ রাষ্ট্রেই করযোগ্য হইবে।

**অনুচ্ছেদ-১৮
অবসর ভাতা**

- ১। ১৯ অনুচ্ছেদের ১ প্রায়ার বিধানাবণী সাপেক্ষে চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রীয় নিবাসীকে তাহ্যের চাকুরীর বিনিয়োগে
ধন্দন অবসর ভাতা ও অনুকূল অন্যান্য পারিশ্রমিক কেবল উচ্চ রাষ্ট্রীয় করযোগ্য হইবে।

**অনুচ্ছেদ-১৯
সরকারী চাকুরী**

- ১। চৃতি সম্পাদনকারী কোন রাষ্ট্রীয় বা উহ্যের কোন রাজনৈতিক উপ-বিভাগ বা কোন হাস্তীয় কর্তৃপক্ষ যদি উচ্চ রাষ্ট্র বা
উপ-বিভাগ বা কর্তৃপক্ষকে সরকারী প্রতিতির কার্যাদির অনুকূল কার্যাদির বিনিয়োগে কোন ব্যক্তিকে অবসর ভাতা সহ বেতন,
মন্ত্রী এবং অনুকূল পারিশ্রমিক ধন্দন করেণ, তাহ্য হইলে উচ্চ পারিশ্রমিক কেবল উচ্চ রাষ্ট্রীয় করযোগ্য হইবে।
- ২। ১৫, ১৬, ১৭ এবং ১৮ অনুচ্ছেদের বিধানাবণী চৃতি সম্পাদনকারী কোন এক রাষ্ট্রীয় বা উহ্যের কোন রাজনৈতিক উপ-
বিভাগ বা কোন হাস্তীয় কর্তৃপক্ষ কর্তৃক পরিচালিত কোন ব্যবসা বা কারবারের সহিত সংশ্লিষ্ট কোম সেবা প্রদানের অন্য
বেতন, মন্ত্রী এবং অনুকূল পারিশ্রমিক ও অবসর ভাতার ক্ষেত্রে প্রযোজ্য হইবে।

**অনুচ্ছেদ-২০
শিক্ষক এবং গবেষকবৃন্দ**

- ১। কোন ব্যক্তি যদি চৃতি সম্পাদনকারী অগ্র রাষ্ট্র সকরের অব্যাহিত গূর্বে চৃতি সম্পাদনকারী রাষ্ট্রীয় নিবাসী হিলেন বা
আছেন এবং ঐ অগ্র রাষ্ট্রের উপযুক্ত কর্তৃপক্ষ কর্তৃক শীক্ষিত্বাধা কোন বিশ্ববিদ্যালয়, কলেজ, কল অর্থাৎ অন্য একই ধরনের
শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের আমন্ত্রণে এ শিক্ষা প্রতিষ্ঠান বা গবেষনা প্রতিষ্ঠানে কেবলমাত্র শিক্ষকতা বা গবেষনা উভয় কাজের চৃতি
সম্পাদনকারী অগ্র রাষ্ট্রে অসাধিক দুই বৎসর ধেনাদের জন্য সকর করেন তাহ্য হইলে এইকূল শিক্ষকতা বা গবেষনা বা
উভয় ব্যবস্থা প্রাপ্ত পারিশ্রমিক উচ্চ অগ্র রাষ্ট্রে করযুক্ত ধাকিবে।

**অনুচ্ছেদ-২১
হাত্র ও শিক্ষানবিশ**

কোন ব্যক্তি যিনি চৃতি সম্পাদনকারী রাষ্ট্র সকরের অব্যাহিত গূর্বে চৃতি সম্পাদনকারী অগ্র রাষ্ট্রীয় নিবাসী হিলেন
এবং প্রথমোক্ত চৃতি সম্পাদনকারী রাষ্ট্রে বাহ্যের সকরের উদ্দেশ্যে কেবলমাত্র :

- ক) কোন বিশ্ববিদ্যালয় বা অন্যান্য শীক্ষণ শিক্ষা প্রতিষ্ঠানে অধ্যয়ন;
- খ) ব্যবসা বা পেশা পরিচালনায় বোঝাতা অর্জনের অন্য প্রশিক্ষন গ্রহণ;
- গ) সরকার, ধর্মীয় সংস্থা মাত্রে সংস্থা, বৈজ্ঞানিক সংস্থা বা শিক্ষা প্রতিষ্ঠান হইতে প্রাপ্ত অনুদান, ভাতা বা পুরস্কার
যারা অধ্যয়ন বা গবেষনা পরিচালনা, উচ্চ অগ্র রাষ্ট্রে নিষিদ্ধিত আরের ক্ষেত্রে কর অব্যাহিত পাইবেন :
- ঘ) তাহ্যের নিষেকের তরুণ পোষণ শিক্ষা, অধ্যায়ন, গবেষনা বা প্রশিক্ষন ব্যবস্থা প্রচলিত প্রতিশেষের উদ্দেশ্যে
বিদেশ বাইতে প্রাপ্ত অর্থ;
- ঙ) অনুদান, ভাতা বা পুরস্কার।

**অনুচ্ছেদ-২২
অন্যান্য আয়**

অনুচ্ছেদ-২২

অন্যান্য আয়

১। চৃতি সম্পাদনকারী এক বাট্টের কোন নিবাসীর আয়ের আইটেমসমূহ থায় এই চৃতির পূর্ববর্তী অনুচ্ছেদে উল্লেখিত হয় নাই তায় যে বাট্টের উভয় হটক না কেন উক্ত আয় কেবল উক্ত বাট্টেই করযোগ্য হইবে।

২। প্যারা ১-এর বিধানাবলী থায় হ্যাবর সম্পত্তির আয় হিসাবে অনুচ্ছেদ ৬ এবং ২ প্যারার বর্ণিত হইয়াছে উহ্য তিনি অন্য কোন আয়ের ক্ষেত্রে অধোজ্য হইবে না, যদি এইরূপ আয়ের এইটা প্রাগৰ চৃতি সম্পাদনকারী একটি দেশের নিবাসী হইয়া চৃতি সম্পাদনকারী অগর বাট্টে অবস্থিত কোন থায়ার প্রতিটানের মাধ্যমে ব্যবস্য পরিচালনা করেন অথবা উক্ত অগর বাট্টে অবস্থিত কোন নিমিট কেন্দ্র হইতে থায়ীনতাবে ব্যক্তিগত কার্যালী পরিচালনা করেন এবং যে সম্পত্তি হইতে আয় প্রদান করা হইয়াছে সেই সম্পত্তির গত্ত কার্যকরভাবে অনুকূল থায়ার প্রতিটান বা নিমিট কেন্দ্রের সাহিত সম্পর্কিত হয় এইরূপ ক্ষেত্রে অনুচ্ছেদ ৭ অথবা ১৪ এর বিধানাবলী কার্যকর হইবে।

অনুচ্ছেদ-২৩

দৈত করারোপন পরিহারকরণ পদ্ধতি

১। তুরক্ষের ক্ষেত্রে দৈত করারোপন নিম্নরূপ পদ্ধতিতে পরিহার করা হইবে:

ক) এই চৃতির বিধানাবলীর আওতায় প্যারা (৬) তে বর্ণিত আয় ব্যতিত যে ক্ষেত্রে তুরক্ষের কোন নিবাসীর আয় বাংলাদেশে করযোগ্য হইতে পারে; সেই ক্ষেত্রে তুরক্ষ এইরূপ আয়কে কর হইতে অব্যাহতি দিতে পারিবে, কিন্তু উক্ত ব্যক্তির অবশিষ্ট আয়ের উপর কর নিম্নরূপের ক্ষেত্রে সেইরূপ কর হ্যার প্রযোজ্য হইবে। যদি কর মৃত আয় কর মৃত না হইলে উক্ত আয়ের উপর যে জুগ হ্যার প্রযোজ্য হইত।

খ) তুরক্ষে নিবাসী কোন ব্যক্তির বাংলাদেশে উভয়ত আয় এই চৃতির ১০,১১ এবং ১২ অনুচ্ছেদের বিধান অনুসারে বাংলাদেশ করারোপিত হইতে পারে এবং এই ক্ষেত্রে উক্ত ব্যক্তির বাংলাদেশে প্রদত্ত করের সম্পরিমান অংকে তুরক্ষে প্রদেয় কর হইতে বিঘ্নেজন করিতে হইবে।

২। বাংলাদেশের ক্ষেত্রে দৈত করারোপন নিম্নরূপ পদ্ধতিতে পরিহার করা হইবে:-

ক) সাব-প্যারা (৬) এর বিধানাবলী সাপেক্ষে বাংলাদেশে নিবাসী কোন ব্যক্তির তুরক্ষে উভয়ত আয় এই চৃতির বিধান অনুসারে তুরক্ষে করারোপিত হইতে পারে এবং এই ক্ষেত্রে উক্ত নিবাসী ব্যক্তির তুরক্ষে প্রদত্ত করের সম্পরিমান অংকে বাংলাদেশে প্রদেয় কর হইতে বিঘ্নেজন করিতে হইবে।

খ) এই জুগ বিঘ্নেজনে তুরক্ষে করারোপিত হইতে পারে ঐজুগ আয়ের ক্ষেত্রে বিঘ্নেজন পূর্ববর্তী আয়ের বেশী হইতে পারিবেনা।

গ) বাংলাদেশে নিবাসী কোন ব্যক্তির তুরক্ষে উভয়ত আয় এই চৃতির বিধান অনুসারে কেবলমাত্র তুরক্ষেই করযোগ্য হইলে, এই আয় বাংলাদেশে তাহার আয়ের সাহিত মৃত হইবে, তবে তুরক্ষে উভয়ত আয়ের উপর আরোপনীয় করের সম্পরিমান অংকে বাংলাদেশে প্রদেয় আয়কর হইতে বিঘ্নেজন করিতে হইবে।

অনুচ্ছেদ-২৪

অবৈষম্য

১। চৃতি সম্পাদনকারী এক বাট্টের নাগরিকগণ যে জুগ পরিষিক্তিতে কোন কর ও তৎসম্পত্তি প্রয়োজনীয় আওতাধীন হইয়া থাকেন বা হইতে পারেন সেইরূপ পরিষিক্তিতে চৃতি সম্পাদনকারী উক্ত অপর বাট্টের নাগরিকগণ প্রথমেক স্থানে কর বা অধিকতর স্বীকৃত কোন কর বা তৎসম্পত্তি কোন প্রয়োজনের আওতাধীন হইবে না। ১ অনুচ্ছেদের বিধানাবলীতে থায় কিছুই ব্যক্ত না কেন, এই প্যারার বিধান চৃতি সম্পাদনকারী একটি বা উভয় বাট্টের নিবাসী নয় এইরূপ ব্যক্তিদের প্রতিও প্রযোজ্য হইবে।

২। চৃতি সম্পাদনকারী এক বাট্টের কোন উদ্যোগ এবং কোন থায়ার প্রতিটান চৃতি সম্পাদনকারী অগর বাট্টে অবস্থিত ধাক্কিয়ে কর উক্ত অপর বাট্টের কোন উদ্যোগের ন্যায় একই ধরনের কার্যাবলী পরিচালনা করিতে ধাক্কিলে উক্ত উদ্যোগের উপর 28.03.2015 11:32 ধার্যযোগ্য কর উক্ত অপর বাট্টের উদ্যোগের উপর আরোপিত করের ন্যায় সমদৃষ্টিশীল থাইয়া আরোপন করা হইবে। এই অনুচ্ছেদের কোন কিছু চৃতি সম্পাদনকারী একটি বাট্ট ইহার নিম্ন অধিবাসীকে নাগরিক ধর্মসদা বা পারিবারিক সমিতিদের কারণে করারোপনের উদ্দেশ্যে যে ব্যক্তিগত ভাতা, সাহায্য এবং কর হ্যাস মুকুর করিয়া থাকে বলিয়া চৃতি সম্পাদনকারী

২। চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের কোন উদ্যোগ এবং কোন হ্যারী প্রতিষ্ঠান চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রে অবস্থিত ধার্মিক উচ্চ অপর রাষ্ট্রের কোন উদ্যোগের ন্যায় একই ধরনের কার্যালয়ী পরিচালনা করিতে ধার্মিক উচ্চ উদ্যোগের উপর ধার্মযোগ্য কর উচ্চ অপর রাষ্ট্রের উদ্যোগের উপর আয়োগিত করের ন্যায় সমন্বিতভুল শহীয়া আয়োগন করা হইবে। এই অনুচ্ছেদের কোন কিছু চৃতি সম্পাদনকারী একটি রাষ্ট্র ইহার নিজ অধিবাসীকে নাগরিক ঘর্ষণা বা পারিবারিক দায়িত্বের কারণে করায়োগনের উদ্যোগে যে বাস্তিগত ভাতা, সাধায় এবং কর হ্যাস মুক্ত করিয়া থাকে বলিয়া চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রের অধিবাসীকে প্রদানের অন্য এই রাষ্ট্রকে বাধ্য করিতেছে বলিয়া বৃক্ষাইবে না।

৩। যে ক্ষেত্রে ৯ অনুচ্ছেদের ১ প্যারা, ১১ অনুচ্ছেদের ৭ প্যারা অধিবা ১২ অনুচ্ছেদের ৬ প্যারার বিধানাবলী ধর্মোক্ত সে ক্ষেত্র ব্যাপ্তি চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের কোন উদ্যোগ কর্তৃক চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রের কেবল নিবাসীকে প্রদত্ত সূপ, ব্রহ্মাণ্ড ও অন্যান্য আপ্য অর্থাদি অনুকূল উদ্যোগের করযোগ্য মুনাফা নির্ধারণ করার উদ্যোগ অধিবাসীকে একই অবস্থার প্রেক্ষিতে তাহ্য প্রদত্ত হইলে বেঙ্গল নির্ধারণ করা হইত তাহ্য একইক্ষণে নির্ধারণ করা হইবে।

৪। চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের উদ্যোগসমূহ এর সমূহয় পুঁজি বা উহার আশেবিশেষ চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রের কেবল নিবাসীকে এক বা একাধিক অনিবাসীর প্রত্যক্ষ বা গৱোক শাশ্বতাধীন বা নিয়ন্ত্রণাধীন হইলে প্রথমোক্ত রাষ্ট্রের এইকূল অন্যান্য উদ্যোগ যে কর অধিবা তৎসংশ্লিষ্ট প্রয়োজনের আওতাধীন হইয়া থাকেন বা হইতে পারেন প্রথমোক্ত রাষ্ট্রের সেই সকল উদ্যোগ ডিন্নতর বা অধিকতর দূর্বল কর বা তৎসংশ্লিষ্ট প্রয়োজনের আওতাধীন হইবে না।

৫। এই অনুচ্ছেদ “করায়োগন” (Taxation) বলিতে এই চৃতির আওতাধীন কর সমূহ বৃক্ষাইবে।

অনুচ্ছেদ-২৫ পারম্পরীক চৃতির কার্যপদ্ধতি

১। যেক্ষেত্রে কোন ব্যাপ্তি সনে করেন যে, চৃতি সম্পাদনকারী এক বা উভয় রাষ্ট্রের গৃহীত ব্যবহার কলে তাহ্য উপর উপর এই চৃতির বিধানাবলী পরিপন্থী করায়োগন করা হইবার অধিবা হইবে, সে ক্ষেত্রে চৃতি সম্পাদনকারী সকল রাষ্ট্রের আভীয় অধিনের দ্বারা বা হিত প্রতিক্রিয়া সহ্যেও প্রতিক্রিয়ার প্রতি বিকল মনোভাব পোষণকারী তিনি চৃতি সম্পাদনকারী যে রাষ্ট্রের অধিবাসী সেই রাষ্ট্রের উপরুক্ত কর্তৃপক্ষের নিকট অধিবা বাসি তাহ্য বিষয় ২৪ অনুচ্ছেদের ১ প্যারার অওতাধীন হব তাহ্য হইলে চৃতি সম্পাদনকারী যে রাষ্ট্রের তিনি নাগরিক সেই রাষ্ট্রের উপরুক্ত কর্তৃপক্ষের নিকট তাহ্য বিষয়টি পেশ করিতে পারিবেন।

২। যদি আপত্তিটি উপরুক্ত কর্তৃপক্ষের নিকট স্থানসংগত বলিয়া প্রতিমান হয় এবং যদি উচ্চ কর্তৃপক্ষ সহু উহার সুই সমাধানে উপরুক্ত হইতে অপরাগ হল, তাহ্য হইলে এই চৃতির ব্রহ্মেশ্বরের আয়োগিত করায়োগন পরিব্যবের উদ্যোগে উচ্চ চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রের উপরুক্ত কর্তৃপক্ষের সহিত পারম্পরিক চৃতির মাধ্যমে বিষয়টি নিশ্চিত করার প্রচেষ্টা চালাইবেন। প্যারা-১ এবং বিধানাবলী অন্যান্য পেশকৃত কোন বিষয় সম্পর্কে স্বতেক্ষ্য হইলে তাহ্য চৃতি সম্পাদনকারী রাষ্ট্রসমূহের নিজ অধিন অনুযায়ী সময়সীমা সহ্যেও বাস্তবায়ন করা যাবে।

৩। এই চৃতির ব্যাখ্যায় অর্থ বা প্রয়োগে কোন অটিলতা বা স্থলের ক্ষেত্রে চৃতি সম্পাদনকারী রাষ্ট্রসমূহের উপরুক্ত কর্তৃপক্ষের পারম্পরিক স্বতেক্ষ্যের ভিত্তিতে তাহ্য নিক্ষেপনের অন্য প্রচেষ্টা চালাইবেন।

৪। চৃতি সম্পাদনকারী রাষ্ট্র সমূহের উপরুক্ত কর্তৃপক্ষগন এই চৃতির বিধানাবলী পালনের অন্য অধিবা এই চৃতির হত্যাকার উপরুক্ত প্রস্তুত সহিত সরাসরি যোগাযোগ করিতে পারিবেন। টোপিক মত বিনিয়নের লক্ষ্যে যখন স্বতেক্ষ্যে উপরুক্ত হত্যাকার সমীচীন মনে হইবে, তখন চৃতি সম্পাদনকারী মেশের উপরুক্ত কর্তৃপক্ষের প্রতিনিধিগনের সমন্বয়ে গঠিত মত বিনিয়নের অন্য বৈঠক করিতে পারিবেন।

অনুচ্ছেদ-২৬ তথ্য বিনিয়ন

অনুচ্ছেদ-২৬
তথ্য বিনিয়ন

- ১। চৃতি সম্পাদনকারী বাট্টিসমূহের উপযুক্ত কর্তৃপক্ষগণ এই চৃতির বিধানাবলী পালনের জন্য অধিবা এই চৃতির আওতাভূক্ত করসমূহ, করারোপনের ক্ষেত্রে যাহা চৃতির বরখেলাগী হইবে না তৎসম্পর্কে চৃতি সম্পাদনকারী বাট্টিসমূহের নিজ নিজ দেশের অইন ধর্মোগের জন্য প্রয়োজনীয় তথ্য বিনিয়ন করিবেন। এই তথ্য বিনিয়ন ১ অনুচ্ছেদ ঘৰা ব্যাহত হইবে না। চৃতি সম্পাদনকারী কোন রাষ্ট্র কর্তৃক প্রাপ্ত তথ্য উক্ত রাষ্ট্রের পেশীয় আইনাবলীনে প্রাপ্ত তথ্যের সত্য একই পদ্ধতিতে সমতাবে গোপনীয় বলিয়া বিবেচিত হইবে এবং পুনৰাবৃত্ত এই চৃতির আওতাভূক্ত করসমূহের ক্ষেত্রে করারোপন বা কর আদায় বলবৎ তত্ত্ববিষয়ে বলবৎকর্তৃ বা তত্ত্ববিষয়ে অভিযুক্তকর্তৃ কিংবা তৎসংপ্রিট আগীল সিংগ্রাফিকরনের মাধ্যমে সংশ্লিষ্ট ব্যক্তিবর্ণ বা কর্তৃপক্ষের (আদায়ত এবং প্রশাসনিক সংস্থাসহ) নিকটে তাহা একাপ করা যাইবে। এইরূপ ব্যক্তিবর্ণ বা কর্তৃপক্ষ কেবল অত্মদেশেই এই তথ্যকে ব্যবহ্য করিবেন। তাহারা একাপ্য আদায়তের কার্যধারা কিংবা বিচার বিভাগীয় সিদ্ধান্তের ক্ষেত্রেই এই তথ্য একাপ করিতে পারিবেন।
- ২। নিম্নলিখিত ক্ষেত্রে কোন অবহারই ১ প্রায়ার বিধানাবলী চৃতি সম্পাদনকারী এক রাষ্ট্রের উপর বাধাবাধকতা আরোপ করিতেছে বলিয়া কোন অবহারতেই ব্যাখ্যা করা যাইবে না।
- ক) চৃতি সম্পাদনকারী এই রাষ্ট্র বা অন্য রাষ্ট্রের আইন সমূহ অধিবা প্রশাসনিক রীতিতে পরিপন্থী কোন প্রশাসনিক ব্যবস্থা কার্যকর করা;
 - গ) চৃতি সম্পাদনকারী উক্ত রাষ্ট্রের বা অন্য রাষ্ট্রের আইনসমূহের অধীনে অধিবা স্বাভাবিক প্রশাসনিক পদ্ধতি অন্যান্য ধীরে নহে তাহা সরবরাহ করা;
 - গ) কোন ব্যবস্থা, কারবার, শির, বাণিজ্য পেশা সঙ্কেত গোপনীয়তা বা ব্যবস্থা সঙ্কেত পদ্ধতি কৌল হইয়া থাকে এবং কোন কোন তথ্য সরবরাহ করা অধিবা যে তথ্য একাপ করা সরকারী নীতির পরিপন্থী হইতে পারে এইরূপ কোন তথ্য সরবরাহ করা।

অনুচ্ছেদ-২৭
কুটনৈতিক ও বাণিজ্যিক দৃতাবাসের অফিসারবৃন্দ

এই চৃতি কোন কিছি আন্তর্জাতিক আইনের নিয়মাবলী অধিবা বিশেষ চৃতির বিধানাবলীর আওতার কুটনৈতিক প্রতিনিধি অধিবা বাণিজ্যিক দৃতাবাসের সদস্যবৃন্দকে প্রদত্ত আর্থিক সুযোগ-সুবিধা ব্যাহত করিবে না।

অনুচ্ছেদ-২৮
বলবৎ হওয়া

- ১। এই চৃতি বলবৎ করার অন্য সবিধানিক প্রয়োজনীয়তা পরিপালিত হইয়াছে মর্মে চৃতি সম্পাদনকারী বাট্টিসমূহের সরকার একে অপরকে অবহিত করিবে।
- ২। অবহিতকরণ পজের ভাবিতে চৃতিটি বলবৎ হইবে এবং ইহার বিধানাবলী কার্যকর হইবে।
- ক) তুরকের ক্ষেত্রে :
 - ১) চৃতি বলবৎ হওয়ার পরবর্তী ১ লা আনুয়ায়ী বা উহুর পরে পরিশোধিত বা জ্যাকুত উৎসে কর্তৃনৃত করের ক্ষেত্রে;
 - ২) চৃতি বলবৎ হওয়ার পরবর্তী ১লা আনুয়ায়ী বা উহুর পরে আরম্ভ কোন কর বৎসরের ক্ষেত্রে ব্যাপারে।
 - ৩) বালাদেশের ক্ষেত্রে, যে বৎসরে এই চৃতি বলবৎ উহুর পরবর্তী গঞ্জীকা বৎসরের পহেলা বৃগাহি বা উহুর পরে আরম্ভ কোন কর বৎসরের অন্য করের ব্যাপারে।

২) চৃতি বলবৎ হওয়ার পরবর্তী ১৩ আনুমানী বা উহার পরে আরও কোন কর
বৎসরের করের ব্যাপারে।

৩) বাংলাদেশের ক্ষেত্রে, যে বৎসরে এই চৃতি বলবৎ উহার পরবর্তী গঞ্জীকা বৎসরের
পহেলা জুলাই বা উহার পরে আরও কোন কর বৎসরের জন্য করের ব্যাপারে।

অনুচ্ছেদ -২৯

অবসান

চৃতি সম্পাদনকারী রাষ্ট্রসমূহের কোন এক রাষ্ট্র এই চৃতির অবসান দ্বা ঘটানো পর্যন্ত এই চৃতি বলবৎ ধাকিবে। চৃতি
সম্পাদনকারী যে কোন রাষ্ট্র চৃতি সম্পাদনকারী অপর রাষ্ট্রকে কৃটনৈতিক কর্তৃপক্ষের মাধ্যমে যে তারিখে চৃতিটি অনুমোদিত
হইয়াছে সেই তারিখ হইতে পঞ্চম বৎসরের ৩০ শে জুনের পূর্বে শিথিত মোটিশ দ্বারা চৃতির অবসান ঘটাইতে পারিবে।
এইরূপ ক্ষেত্রে চৃতিটি বাতিল হইবে।

ক) তুরকের ক্ষেত্রে :

১) যে বৎসর অবসানের মোটিশ প্রদান করা হয়, সেই গঞ্জীকা বৎসরের শেষ হওয়ার পর হইতে পরিশেষিত বা
অব্যক্ত উহাসে কর্তৃপক্ষ করের ব্যাপারে।

২) যে বৎসর অবসানের মোটিশ প্রদান করা হয় সেই গঞ্জীকা বৎসর পর হইতে আরও কর বৎসরের করের
ব্যাপারে।

৩) বাংলাদেশের ক্ষেত্রে যে বৎসর অবসানের মোটিশ প্রদান করা হয়, উহার পরবর্তী গঞ্জীকা বৎসরের ১৩
জুলাই বা উহার পর হইতে আরও কর বৎসরের করের ব্যাপারে।

এই চৃতির সাক্ষী সঞ্চল ঘৃত্যবিহুর নিষ শাকরকারীগণ তাহুদের নিজ নিজ সরকার কর্তৃক যথাযথভাবে
ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইয়া এই চৃতি স্বাক্ষর করিয়াছেন।

অদ্য ১৯৭৯ সালের প্রার্থিত্ব মাসের ৩০ তারিখে ত্যাবণ্য হালে বাংলা, তুরক, ফর্সি এবং ইংরেজী
ভাষায় ইহার দৃষ্টিমূল লিপি সম্পাদিত হইল; চৃতির প্রত্যেকটি পাঠই সমভাবে প্রশংস্য। তবে ব্যাখ্যার ক্ষেত্রে কোনরূপ সতৰ্কের
সূচি হইলে ইহার ইংরেজী পাঠই প্রাথম্য পাইবে।

প্রাত্মক
সরকারের পক্ষে

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ
সরকারের পক্ষে

— — • — —